बढ़ती सर्दी के बीच दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा ज्यादा

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। दिल से जुड़ी बीमारियों के चलते भारत में बड़ी

संख्या में मौतें होती हैं. इससे संबंधित मामले भारत में बीमारी और मौत के सबसे बड़े कारणों में है. इससे भी बड़ी बात ये है कि इनमें 25 फीसदी केस ऐसे होते हैं जो हल्के लक्षणों को इग्नोर करने वाले मरीजों के होते हैं. पहले से ही कार्डियक केस का बोझ काफी ज्यादा है, ऊपर से सर्दी की एंट्री ने इसमें और इजाफा कर दिया है.

ऐसे में ये जरूरी है कि हार्ट अटैक जैसे मामलों के शुरुआती लक्षणों के बारे में जानकारी हासिल की जाए ताकि रोग का जल्द से जल्द पता लग सके और समय पर बेहतर इलाज से सही नतीजे आ सकें. अगर आपके सीने में भारीपन महसूस होता है या आप सही महसूस नहीं करते हैं या फिर सांस लेने में दिक्कत होती है तो ऐसी परेशानी होने पर डॉक्टर से परामर्श जरूर लें.

ग्रेटर नोएडा स्तिथ यथार्थ सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ,एचओडी और वरिष्ठ सलाहकार *डॉ. पंकज रंजन ने बताया* कि सर्दियों में दिल के रोग बढ़ जाने के पीछे सबसे बड़ा कारण ये होता है क्योंकि ठंड में बॉडी टेंपरेचर को मेंटेन करने के चलते ब्लड वेसल्स सिकुड़ जाती हैं. इससे बीपी बढ़ जाता है, साथ ही दिल पर ज्यादा जोर पड़ता है. जब बाहर सर्दी होती है तो शरीर को गर्म रखने की आवश्यकता होती है, ऐसे में व्यक्ति की ज्यादा खाने की इच्छा होती है, जंक फूड की तरफ आकर्षण ज्यादा बढ़ता है. ऐसी स्थिति में ये चांस रहते हैं कि बॉडी में ज्यादा कैलोरी पहुंचती हैं और फिजिकल एक्टिविटी कम होने के चलते व्यक्ति आलसी हो जाता है, वजन बढ़ जाता है, बैड कोलेस्ट्रॉल में वृद्धि हो जाती है और लिपिड लेवल भी बढ़ जाता है. ये तमाम वजहें दिल को ज्यादा काम करने का दबाव बनाती हैं. बॉडी को सही रूप में चलाने के लिए दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है. यानी दिल पर लोड बढ़ जाता है.

दिल के सभी मरीजों को एक जैसे लक्षण नहीं होते हैं. एनजाइना चेस्ट पेन इसका सबसे आम लक्षण है, लेकिन लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं. किसी को बहुत ही हल्के लक्षण आते हैं, कोई असहज महसूस करता है जैसे पाचन क्रिया सही न होने पर लगता है, जबकि किसी को दर्द भी हो जाता है, सीने के बीच में भारीपन महसूस होता है, जो बाद में बांहों, जबड़ों, कमर, पेट तक पहुंच जाता है, साथ ही धड़कनें बढ़ने लगती हैं और सांस ऊपर-नीचे होने लगता है. इन तमाम लक्षणों को पहचानकर सही वक्त पर रोग का पता लगाना बहुत जरूरी है, ताकि सही वक्त पर इलाज मिल सके. अगर हार्ट अटैक को शुरुआती कुछ घंटों में मैनेज कर लिया जाए, तो दिल की सेहत को दुरुस्त किया जा सकता है और मरीज को ठीक किया जा सकता है.

'दिल की सेहत को सही रखने के लिए कई तरह के काम करने पड़ते हैं. इसमें लाइफस्टाइल में बदलाव करने पड़ते हैं, मेडिसिन लेनी पड़ती हैं, साथ ही बिना सर्जरी वाले अन्य इलाज भी होते हैं. कुछ तरीके बहुत आसान हैं जिनसे दिल को सही रखा जा सकता है. सभी को हेल्दी और बैलेंस खाना लेना चाहिए, एक्सरसाइज करते रहना चाहिए, स्मोकिंग से दूर रहें, कोलेस्ट्रॉल और शुगर को काबू में रखें. अगर किसी को हार्ट फेल या कार्डियो वैस्कुलर बीमारियां होती हैं इससे साबित होता है कि आपका दिल उतना हेल्दी नहीं है जितना उसे होना चाहिए.'

वाल्वुलर हार्ट समस्याएं भी जीवन को नुकसान पहुंचाने वाली होती हैं, और इस तरह के मामलों में वाल्व बदलना ही एकमात्र विकल्प बचता है. लेकिन हाल में हुई मेडिकल क्षेत्र की प्रगति से इलाज के कुछ नए तरीके भी आ गए हैं. कैथेटर-आधारित स्ह्लह्लड्ड क्लिप के जरिए बिना सर्जरी के ही लीक हो रहे वाल्व को ठीक किया जा सकता है. ऐसे मामलों में, अगर इलाज नहीं किया जाता है, तो दिल का साइज बढ़ने, सांस फूलने और यहां तक कि हार्ट फेल होने की भी आशंका रहती है. कार्डियक सर्जरी अब काफी एडवांस हो गई हैं. अब मिनिमली इनवेसिव सर्जरी की जा रही हैं, जो बहुत छोटी सर्जरी होती हैं, और इनमें ऑपरेशन के बाद दर्द भी नहीं होता है. हार्ट फेल होने की स्थिति में ईसीएमओ, एलवीएडी जैसे इलाज से जिंदगी को बनाए रखने में मदद मिली है.'

दिल से जुड़े रोगों में समय पर बीमारी डायग्नोज होना और वक्त रहते नजदीकी अस्पताल में पहुंचना बहुत ही महत्वपूर्ण होता है. इससे हार्ट अटैक या हार्ट फेल होने की स्थिति में भी मरीज के दिल के फंक्शन को रिस्टोर किया जा सकता है. इससे भी आसान तरीका ये है कि खराब लाइफस्टाइल को छोड़कर, लिमिट में खाकर मोटापे, डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर से बचा जा सकता है. ऐसे करने से हार्ट फेल और हार्ट अटैक की आशंकाओं को भी कम किया जा सकता है.

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी

(आज समाचार सेवा)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दे दी है। मिशन के लिए प्रारंभिक परिव्यय 19ए744 करोड़ रुपये होगाए जिसमें साइट कार्यक्रम के लिए 17ए490 करोड़ रुपयेए पायलट परियोजनाओं के लिए 1.466 करोड़ रुपयेए अनुसंधान एवं विकास के लिए 400 करोड़ रुपये और अन्य मिशन घटकों के लिए 388 करोड़ रुपये शामिल हैं। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ;एमएनआरई संबंधित घटकों के कार्यान्वयन के लिए योजना के दिशानिर्देश तैयार करेगा। मिशन से विभिन्न प्रकार के लाभ प्राप्त होंगेए जैसे. ग्रीन हाइड्रोजन और इसके सहायक उत्पादों के लिए निर्यात के अवसरों का सृजनय औद्योगिकए आवागमन और ऊर्जा क्षेत्रों में कार्बन उत्सर्जन में कमीय आयातित जीवाश्म ईंधन और फीडस्टॉक पर निर्भरता में कमीय स्वदेशी विनिर्माण क्षमताओं का विकासय रोजगार के अवसरों का सृजनय और अत्याधुनिक तकनीकों का विकास। भारत की ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता कम से कम 5 एमएमटी प्रति वर्ष तक पहुंचने की संभावना हैए जिसमें लगभग 125 जीडब्ल्यू की संबद्ध अक्षय ऊर्जा क्षमता शामिल है। 2030 तक 8 लाख करोड़ रुपये का निवेश होने का लक्ष्य है और 6 लाख से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। 2030 तक कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में प्रति वर्ष लगभग 50 एमएमटी की कमी होने की संभावना है। इस मिशन से ग्रीन हाइड्रोजन की मांगए उत्पादनए उपयोग और निर्यात की सुविधा प्राप्त होगी। ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांजिशन प्रोग्राम ;एसआईजीएचटीद्ध के लिए रणनीतिक क्रियाकलाप को लेकरए मिशन के तहत दो अलग.अलग वित्तीय प्रोत्साहन तंत्र. इलेक्ट्रोलाइजर के घरेलू निर्माण और ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन को लक्षित किया जाएगा। मिशन उभरते अंतिम उपयोग वाले क्षेत्रों और उत्पादन मार्गों में पायलट परियोजनाओं का भी समर्थन करेगा। बड़े पैमाने पर उत्पादन औरध्या हाइड्रोजन के इस्तेमाल का समर्थन करने में सक्षम क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उन्हें ग्रीन हाइड्रोजन हब के रूप में विकसित किया जाएगा। ग्रीन हाइड्रोजन इकोसिस्टम की स्थापना का समर्थन करने के लिए एक सक्षम नीतिगत कार्यक्रम विकसित किया जाएगा। एक मजबूत मानक और नियमन संरचना भी विकसित की जाएगी। इसके अलावाए मिशन के तहत अनुसंधान एवं विकास रणनीतिक हाइड्रोजन नवाचार भागीदारी. एसएचआईपीद्ध के लिए एक सार्वजनिक.निजी भागीदारी की सुविधा प्रदान की जाएगीय अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं लक्ष्य उन्मुखए समयबद्ध और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए उपयुक्त रूप से बढ़ाई जाएंगी। मिशन के तहत एक समन्वित कौशल विकास कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकारों के सभी संबंधित मंत्रालयए विभागए एजेंसियां और संस्थान मिशन के उद्देश्यों की सफल उपलब्धि सुनिश्चित करने के लिए केंद्रित और समन्वित कदम उठाएंगे। मिशन के समग्र समन्वय और कार्यान्वयन के लिए नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय उत्तरदायी होगा।

व्यापार कर विशेष प्रयास कर लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करें-डीएम

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय में कर-करेत्तर एवं राजस्व प्राप्ति की समीक्षा बैठक आहूत की गयी, जिसमें जिलाधिकारी ने स्टाम्प एवं निबंधन, आबकारी, बिक्री एवं व्यापार कर, मनोरंजन, परिवहन निगम, बाट तथा माप, यात्रीकर, खनन, विद्युत देय, मण्डी समिति आदि की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आबकारी, यात्रीकर, मण्डी में लक्ष्य के सापेक्ष कम प्रगति होने पर जिलाधिकारी ने उक्त विभागों को प्रवर्तन की कार्यवाही कर राजस्व की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि विभाग मिलकर सामूहिक रुप से ओवर लोडिंग एवं अवैध खनन पर हर हाल में रोक लगाया जाना सुनिश्चित करें। बाट एवं माप विभाग को जिलाधिकारी ने नियमित चैकिंग कर कार्य प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि लक्ष्य पूर्ण करने हेतु स्थलीय निरीक्षण जरुर करें और बिना शिकायत होने पर भी समय-समय पर निरीक्षण कर फीडबैक लेते रहें। जिलाधिकारी ने बिक्री कर/ व्यापार कर के अधिकारी उपायुक्त राज्यकर से लक्ष्य से कम कलेक्शन होने का कारण पूछा तथा निर्देश दिये कि लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि बिना अनुमति के ईट भट्टे चले रहे हैं उन पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। उन्होंने उपस्थित विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित लक्ष्य को गम्भीरता से लेकर पूर्ण किया जाये।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व युगराज सिंह, ए0आई0जी0 स्टाम्प एल0जी0 पाण्डेय, उप प्रभागीय वनाधिकारी सतेन्द्र कुमार, ए0आर0एम0 परिवहन नरेश चन्द गुप्ता, अधिशासी अभियन्ता विद्युत शैलेन्द्र सहित अन्य अधिकारी एवं सेक्रेटरी ए0पी0एम0सी0 ज्योति चैधरी आदि उपस्थित रहें।

अप्रेन्टिस मेले का आयोजन 09 जनवरी को

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। प्रधानाचार्य आई0टी0आई0 ने बताया है कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कांठ रोड मुरादाबाद के परिसर में दिनांक 09-1-2023 को प्रातः 10.00 बजे से प्रधानमन्त्री राष्ट्रीय शिक्षुता (पी0एम0एन0ए0एम0) अप्रेन्टिस मेले का आयोजन किया जा रहा है जिसमें जनपद के शासकीय/निजी प्रतिष्ठित अधिष्ठान उपस्थित हो रहे है। आई0टी0आई के कोपा/फिटर/विद्युतकार/कारपेन्टर/ पेन्टर/वैल्डर/ डीजल मैकेनिक/मैके0 मोटर व्हीकल एवं अन्य किसी भी व्यवसाय से उत्तीर्ण अभ्यर्थी मेले में साक्षात्कार हेतु प्रतिभाग कर सकते है। मेले में प्रतिभाग किये जाने हेतु ंचचतमदजपबमींपचपदकपंण्वतह पर अपना पंजीकरण करवाकर अपनी प्रोफाईल की प्रति स्वहपद प्क् लाना अनिवार्य है। बिना पंजीकरण वाले अभ्यर्थी अप्रेन्टिस मेंले में प्रतिभाग नही कर सकेंगे।

एसजेवीएन द्वारा हिमाचल प्रदेश में 382 मेगावाट सुन्नी बांध जल विद्युत परियोजना के लिए निवेश को स्वीकृति

(आज समाचार सेवा)

नई दिल्ली। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 2614.51 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एसजेवीएन लिमिटेड द्वारा हिमाचल प्रदेश में 382 मेगावाट सुन्नी बांध जल विद्युत परियोजना को स्वीकृति दे दी है। इसमें बुनियादी ढांचे को सक्षम बनाने के लिए भारत सरकार की बजटीय सहायता के रूप में 13.80 करोड़ रुपये के निवेश को भी स्वीकृति दी गई है। जनवरीए 2022 तक कुल 246 करोड़ रुपये के संचयी व्यय के लिए कार्योत्तर स्वीकृति भी दी गई है। 2.614 करोड़ रुपये की इस परियोजना लागत में 2246.40 करोड़ रुपये की वास्तविक लागतए निर्माण के दौरान ब्याज ;आईडीसीद्ध के तौर पर 358.96 करोड़ रुपये और वित्तपोषण शुल्क एफसी के रूप में 9.15 करोड़ रुपये शामिल हैं। मात्रा परिवर्तन जोड़ने बदलाव अतिरिक्त मदों सहित के कारण लागत भिन्नताओं के लिए संशोधित लागत स्वीकृतियां और निर्माणकर्ता के लिए देय समय सीमा स्वीकृत लागत के 10 प्रतिशत तक सीमित होगी। आत्मनिर्भर भारत अभियान के लक्ष्यों और उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुएए एसजेवीएन द्वारा 382 मेगावाट सुन्नी बांध एचईपी की स्थापना के लिए वर्तमान प्रस्ताव स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं ध्स्थानीय उद्यमोंध्एमएसएमई को विभिन्न लाभ प्रदान करेगा और रोजगार को बढ़ावा देने के अलावा देश के भीतर उद्यमशीलता के अवसरों को प्रोत्साहित करते हुए क्षेत्र के सामाजिक.आर्थिक विकास को सुनिश्चित करेगा। इस परियोजना के कार्यान्वयन से इसके निर्माण की चरम अवस्था के दौरान लगभग 4000 लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार का सृजन होगा।

प्राधिकरण प्रत्येक वृहस्पतिवार को आयोजित करेगा मानचित्र समाधान दिवस

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। मुरादाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा दिनांक 05-01-2023 को प्रातः 11ः00 बजे से दोपहर 01ः00 बजे तक मानचित्र समाधान दिवस का आयोजन वर्चुअल माध्यम से जूम ऐप पर किया जाएगा। इस समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य क्ह्ज्ञ्क्ष्- पोर्टल पर लंबित मानचित्रों पर तकनीकी आपतियों के निराकरण कराने एवं तकीनीकी कमियों के सुधार उपरांत पुनः मानचित्र को पोर्टल पर अपलोड कर उक्त के निस्तारण हेतु है। प्राधिकरण में पोर्टल पर अद्यतन अवधि तक कुल 211 मानचित्र लंबित हैं। इस आयोजन पर सभी आर्किटेक्ट एवं इंजीनियरों को अलग से सूचित किया जा चुका है। इस बैठक में आवेदक भी वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग कर सकते हैं।

उक्त के अतिरिक्त इस समाधान दिवस में लंबित शमन मानचित्रों की आपत्तियों का निस्तारण कराते हुए शमन मानचित्रों को भी निस्तारित किया जाएगा।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्व रक्षा मंत्री एवं चार बार गोवा के मुख्यमंत्री रहे दिवंगत श्री मनोहर पर्रिकर को श्रद्धांजलि के रूप में ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट मोपाए गोवा का नामकरण मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट-मोपा, गोवा, के रूप में करने को कार्योत्तर मंजूरी दी

(आज समाचार सेवा)

नई दिल्ली। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्व रक्षा मंत्री एवं चार बार गोवा के मुख्यमंत्री रहे दिवंगत श्री मनोहर पर्रिकर को श्रद्धांजलि के रूप में ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट मोपाए गोवा का नामकरण मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट दू मोपाए गोवाष् के रूप में करने के गोवा के राज्य सरकार के मंत्रिमंडल के सर्वसम्मत गोवाश् के रूप में करने को कार्योत्तर मंजूरी दे दी है। गोवा राज्य के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने हेतु गोवा के माननीय मुख्यमंत्री ने ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्टए मोपाए गोवा का नामकरण मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट दू मोपाए गोवाष् के रूप में करने के गोवा के राज्य सरकार के मंत्रिमंडल के सर्वसम्मत निर्णय से अवगत कराया था। गोवा के मोपा में स्थित ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिसंबरए 2022 में किया गया था। आधुनिक गोवा के निर्माण में पूर्व मुख्यमंत्री और भारत सरकार के पूर्व रक्षा मंत्री दिवंगत डॉ. मनोहर पर्रिकर के योगदान के सम्मान में इस हवाई अड्डे का नाम रखा गया है।

नगर आयुक्त ने किया गोशाला का निरीक्षण

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। आज नगर आयुक्त मुरादाबाद द्वारा कान्हा गौषाला का निरीक्षण किया गया। जिसमे गौवंष के सर्दी से बचाव के लिए झूल, पराली, अलाव एवं पीने के लिए गर्म पानी की व्यवस्था के साथ-साथ हरे चारे की भी उपलब्धता का स्वयं परीक्षण किया गया। जिसमें पाया गया कि वर्तमान में कुल 293 गोवंष गौशाला में संरक्षित हैं जिसकें सापेक्ष कुल 300 झूलें उपलब्ध हैं। कुछ पशुओं द्वारा मल-मूत्र से झूलों को गीला व गंदा कर दिया गया था जो धोकर बाहर सूखने हेतु डाली गई हैं। हालाँकि वर्तमान में पर्याप्त संख्या में झूले उपलब्ध हैं परंतु आवश्यकतानुसार कुछ और झूले खरीदने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही फर्ष पर लगातार पराली डालने एवं नियमित अन्तराल पर बदलने की व्यवस्था प्रभावी है। इसके अतिरिक्त गोबर से बनायी जा रही गोबर गैस प्लांट का भी निरीक्षण किया। साथ ही साथ यह भी निर्देष दिये गये कि यदि केटल केचर के द्वारा और अधिक पषुओ को लाया जाता है तो उनके रख-रखाव की व्यवस्था पहले से ही कर ले जिससे किसी भी पषुओ को कोई परेषानी न हो और बीमार पषुओ के लिए एम्बूलेंस की व्यवस्था कि गई हैं। जिसके आवष्यकतानुसार संचालन हेतु निर्देषित किया गया।, जिससे उनको ससमय उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ ''क्वालिटी कनेक्ट कैंपेन'' का आयोजन

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की गाजियाबाद शाखा के तत्वावधान में उत्पाद की गुणवत्ता की जांच के सन्दर्भ में ''क्वालिटी कनेक्ट कैंपेन'' का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को बीआइएस केयर एप और बीआईएस एक्ट की जानकारी दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का शुभारम्भ बीआईएस की ओर से आए उप निदेशक श्री दिव्यांशु यादव, सहायक निदेशक श्री विशाल कुमार, संयोजक व डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. अरुण कुमार मिश्रा एवं आयोजन सचिव व एचआर निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान श्री दिव्यांशु यादव ने बतौर मुख्य अतिथि अपने वक्तव्य में कहा कि बीआईएस केयर एप एक अनूठा एप है, जिससे किसी भी प्रोडक्ट की क्वालिटी चैक की जा सकती है। उन्होंने बताया कि डोर-टू-डोर विजिट को व्यवहार में लाने के लिए बीआईएस ने सीधे कनेक्ट मोड में उपभोक्ताओं के साथ जुड़ने के लिए गुणवत्ता कनेक्ट अभियान शुरू किया है। यह अभियान मानक मित्र नामक युवा स्वयंसेवकों के नेटवर्क के माध्यम से चलाया जाता है। उन्होंने मोबाइल के प्ले स्टोर से बीआइएस केयर एप को इंस्टाल करने व उसकी सहायता से बड़ी आसानी से उत्पाद की गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्राप्त करने के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी भी दी। वहीं श्री विशाल कुमार ने बताया कि अभियान की सफलता मानक मित्र की उपभोक्ता के साथ व्यापक रूप से जुड़ने और बीआईएस गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा करने की क्षमता पर निर्भर है। उन्होंने उपभोक्ताओं को जागरूक करने वाले इस ऐप की खूबियों को विद्यार्थियों के समक्ष रखते हुए बताया कि इस ऐप के माध्यम से किसी भी वस्तु की गुणवत्ता को बेहद आसानी से चैक किया जा सकता है, यदि गुणवत्ता अच्छी नहीं है तो शिकायत भी दर्ज कराई जा सकती है। कार्यक्रम में बीआईएस और इसकी गतिविधियों के बारे में परिचय, मानक निर्माण, प्रमाणन योजनाएं, अपने मानक को जानें, मानकों की सूची, अनिवार्य प्रमाणन के तहत उत्पाद, बीआईएस वेबसाइट पर नेविगेशन और बीआईएस वार्ता आदि के बारे में सभी विद्यार्थियों को समाज में जागरूकता फैलाने के लिए ट्रेनिंग दी गई।

कार्यक्रम के अंत में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमैंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने कार्यक्रम के संदर्भ में विद्यार्थियों को प्रेरित किया। प्रो. अरुण कुमार मिश्रा ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

सावित्रीबाई फूले के जन्म दिवस को शिक्षिका दिवस घोषित किया जाये

मुरादाबाद। जाति मुक्त भारत का सपना लेकर ओबीसी, एससी एसटी, कम्युनिटी मंडल मुरादाबाद के बैनर तले सैकड़ो महिलाए पंचायत भवन सभागार में भारत की प्रथम शिक्षिका राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फूले जी के जन्म दिवस तीन जनवरी को शिक्षिका दिवस घोषित कराने का सपना लेकर उनके जन्मदिन पर शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित हुआ । इस मौके पर राष्ट्रमाता प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फूले जी के चित्र पर पुष्पांजलि मुख्य अतिथि डॉ कौशल पंवार व अन्य वक्ताओं ने अर्पित की। कार्यक्रम में बोलती हुई बतौर मुख्य अतिघि निदेशक मानविकी विभाग इग्नू,डॉ कौशल पंवार ने कहा कि हम जातिवादी व्यवस्था को शिक्षा को तोड़ने में शिक्षा एवं शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, वर्तमान में हमें अपने अधिकारों के लिए लड़ना होगा, यदि माता सावित्रीबाई फुले जी ने संघर्ष न किया होता है तो आप और हम इन पदों पर न होते, महिला आज भी आर्थिक , पितृसत्तात्मक व पुरुषवादी सोच को झेलना पड़ता है,इन सबसे बड़ी बात यह है कि हम लिंग विषमता में फंसे है । हमारे देश में बहुत महिलाएं हुई है जैसे अहिल्या बाई होलकर, उदो देवी, आदि ने महिलाओं के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया, हमें उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेना है, तभी हम जाति व्यवस्था को तोड़कर देश से जाति मुक्त भारत की कल्पना साकार कर सकेंगे। कार्यक्रम में बोलती हुई राजकीय महाविद्यालय सम्भल की प्रोफेसर डॉ नोमी प्रिया यादव जाति उन्मूलन में शिक्षको की भूमिका विषय पर बोलते हुए कहा कि हमे अंग्रेजो कि गुलामी से मुक्ति तो मिली पर जाति से जाल से नही ,आज संवैधानिक व्यवस्था के बाद भी बंचित वर्ग को घोड़ी पर चढ़ने व बारात चढ़ाने को लिए कोर्ट का सहारा लेना पडता है। इस जातीबादी सोच को बदलने में शिक्षक अपना अहम रोल निभा सकते है । समारोह में प्रवक्ता अंजना निमेष ने शिक्षको की समस्या व शिक्षिका अंजली सैनी ने स्त्री शिक्षा में सावित्री बाई फुले का योगदान विषय पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा से 290 , माध्यमिक शिक्षा के 140 शिक्षको के साथ ही उच्च शिक्षा के 70 शिक्षक शिक्षिकाओ को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया कार्यक्रम का संचालन डॉ.पूजा किरन, डॉ हरनन्दन प्रसाद, वंश बहादुर, राजेन्द्र सिंह सैनी, आदि ने संयुक्त रूप से किया उनका सहयोग प्रीतम सिंह व विनीत कुमार, जितेंद्र कुमार जोली ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से चंदन सिंह रैदास, जयपाल सिंह सैनी, कुलदीप तुरैहा, राजू प्रजापति, प्रीतम सिंह, विनीत कुमार, महेंद्र प्रताप सिंह, डॉ पूर्णिमा पाल, जगत सिंह , मलखान सिंह, योगराज सिंह ,मुकेश गौतम, एमपी मौर्य, एम सिंह, राजेंद्र सिंह सैनी, डॉ परम सिंह पाल , वीर सिंह , डॉ ए पी सिंह,रबिन्द्र सिंह, डॉ सुरेंद्र सिंह, सत्यप्रकाश , चंचल सरोज,अंजू रानी, नीलम भुरियार, योगराज सिंह, प्रतिभा रानी, आदि का सहयोग रहा।

प्रथमा यू.पी. ग्रामीण बैंक
मुख्य कार्यालय : रामगंगा विहार, कांठ रोड, फेस-2, मुरादाबाद 244001 (उ.प्र.)
क्षेत्रीय कार्यालय : संभल

कब्जा नोटिस (नियम 8 (1) के तहत अचल सम्पत्तियों के लिये)

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54वां) के तहत **प्रथमा यू.पी. ग्रामीण बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते तथा प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित कर्जदारों को नीचे लिखी दिनांक को मांग सूचना जारी की गई थी, जिसमें उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर भुगतान करने को कहा गया था। ऋणी उक्त राशि का भुगतान करने में असफल हो गए हैं, इसलिए एतद्द्वारा ऋणियों को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमें वर्णित सम्पत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4) उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित दिनांक को ले लिया है।

उधारकर्ता को विशेष रूप से सर्व साधारण को सामान्य रूप से चेतावनी देते हुये उन्हें उक्त सम्पत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान करते हुए अवगत कराया जाता है कि उक्त सम्पत्ति के साथ कोई भी लेन-देन **प्रथमा यू.पी ग्रामीण बैंक के अधीन होगा। धारा 13 की उपधारा 8 में उपलब्ध समय के अनुसार ऋणी/ सह अनुबंधी/ बंधककर्ता का ध्यान बंधक सम्पत्ति को उन्मोचित किये जाने हेतु आमंत्रित किया जाता है। कब्जे वाली सम्पत्तियों का विवरण निम्न प्रकार है :-**

क्र. सं.	ऋणी/ सह ऋणी/ गारंटर का नाम व शाखा का नाम	बंधक सम्पत्ति का विवरण (चल/अचल)	बकाया राशि (रु. में)
1.	ऋणी : मैसर्स खुराना हैण्डलूम सेंटर, श्री मदन गोपाल खुराना पुत्र स्व. श्री सीताराम (मृतक), श्रीमती सीता खुराना पत्नी स्व. श्री मदन गोपाल खुराना (कानूनी वारिस), श्री विवेक खुराना पुत्र स्व. श्री मदन गोपाल खुराना (कानूनी वारिस), स्व. श्री सीता राम खुराना पुत्र श्री करम चन्द (मृतक) (बंधककर्ता), श्री मदन गोपाल खुराना पुत्र स्व. श्री सीता राम (मृतक) (कानूनी वारिस), श्री सतीश खुराना पुत्र स्व. श्री सीता राम (कानूनी वारिस), श्री हरीश खुराना पुत्र स्व. श्री सीता राम (कानूनी वारिस), श्रीमती शम्मी अरोरा पुत्री स्व. श्री सीता राम पत्नी श्री हरि ओम अरोरा (कानूनी वारिस), श्रीमती पम्मी सेठी पुत्री स्व. श्री सीता राम (कानूनी वारिस), श्रीमती मधु भय्यानी पुत्री स्व. श्री सीता राम पत्नी श्री बलवीर सेठी (कानूनी वारिस), श्रीमती रेनू ओहरी पुत्री स्व. श्री सीता राम पत्नी श्री पंकज कुमार ओहरी (कानूनी वारिस) एवं श्री अनिल कुमार पुत्र श्री प्रेम प्रकाश (गारंटर) शाखा : चंदौसी, सम्भल (उ.प्र.)	सम्पत्ति स्थित है, क्वार्टर नं. 15, पंजाबी कालोनी, सीता रोड, तहसील चंदौसी, सम्भल (उ.प्र.), क्षेत्रफल 95.92 वर्ग मीटर, (स्वामित्व स्व. श्री सीता राम पुत्र श्री करम चन्द (मृतक), श्री मदन गोपाल खुराना पुत्र श्री सीता राम खुराना (मृतक) (कानूनी वारिस), श्री सतीश खुराना पुत्र स्व. श्री सीता राम (कानूनी वारिस), श्री हरीश खुराना पुत्र स्व. श्री सीता राम (कानूनी वारिस), श्रीमती शम्मी अरोरा पुत्री स्व. श्री सीता राम पत्नी श्री हरि ओम अरोरा (कानूनी वारिस), श्रीमती पम्मी सेठी पुत्री स्व. श्री सीता राम पत्नी श्री बलवीर सेठी (कानूनी वारिस), श्रीमती मधु भय्यानी पुत्री स्व. श्री सीता राम पत्नी श्री जोगेन्दर भय्यानी (कानूनी वारिस), श्रीमती रेनू ओहरी पुत्री स्व. श्री सीता राम पत्नी श्री पंकज कुमार ओहरी (कानूनी वारिस), श्रीमती सीता खुराना पत्नी स्व. श्री मदन गोपाल खुराना (कानूनी वारिस), श्री विवेक खुराना पुत्र स्व. श्री मदन गोपाल खुराना (कानूनी वारिस)), विलेख हस्तांतरण तिथि 26.03.1977, **चौहद्दी (बैनामे के अनुसार एवं वर्तमान में) : उत्तर में** : श्री दर्शन लाल का क्वार्टर सं. 14, **दक्षिण में** : श्री उमेश गुप्ता का क्वार्टर सं. 16, **पूरब में** : स्कूल बिल्डिंग वर्तमान में रघुनाथ शर्मा का मकान, **पश्चिम में** : सड़क	रु. 13,12,573.00/- दि. 30.09.2022 तक + ब्याज व अन्य खर्चे **मांग सूचना की दिनांक** 20.10.2022 **कब्जे की दिनांक** 03.01.2023

दिनांक : 04.01.2023 स्थान : चंदौसी (संभल) प्राधिकृत अधिकारी : प्रथमा यू.पी. ग्रामीण बैंक

ICICI Home Finance
कारपोरेट कार्यालय:-आईसीआईसीआई होम फाईनेंस कम्पनी लिमिटेड,आईसीआईसीआई एनएफसी टॉवर, अन्धेरी-कुर्ला रोड, अन्धेरी (ईस्ट) मुम्बई-400059 इण्डिया।
**शाख